T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

Hindi Vidya Prachar Samiti's

RamniranjanJhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Empowered Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the T.Y.B.A

Program: B.A. HINDI
Program Code: RJMAJHIN

National Education Policy (NEP 2020)
Level 4.5

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

TYBA Hindi Semester V

Elective Paper Name: Post Independence Hindi Literature

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJDSEHIN351	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य **(Post Independence Hindi Literature)**	4	१. महाबली नाटक २. गद्य प्रभा -निर्धारित आठ रचनाएँ

TYBA Hindi Semester VI

Elective Paper Name: Post Independence Hindi Literature

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJDSEHIN361	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य **(Post Independence Hindi Literature)**	4	**1. लोकप्रियता के शिखर गीत** 2. **प्रतिनिधि ललित निबंध**

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

Course Outcome and Learning Outcome

Paper – DSE - I

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs) FOR B.A. HINDI

Sr. No.	A student Specific completing B.A. Hindi will able to:
PSO1	**विषय का ज्ञान** साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान करना, उनके बारे में चर्चा करना तथा आलेख लिखने की योग्यता। भाषा वैज्ञानिक और शैलीगत विविधताओं को समझने की योग्यता। साहित्यको पढ़ने के उपरांत समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास। **संप्रेषण कौशल** साहित्यिक,अकादमिक और बोलचाल की हिंदी को बोलने और लिखने के कौशल का विकास।पढ़ने और सुनने के कौशल का विकास।
PSO2	**आलोचनात्मक दृष्टिकोण** पढ़ने के पश्चात आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास। तुलनात्मक दृष्टि से अन्य भाषाओं के साहित्य के पुनरावलोकन का विकास। ऐतिहासिकसंदर्भों में पाठ निर्धारण करने की योग्यता। **विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टि का विकास** श्रेष्ठ साहित्य की विशेषता और कमजोरियों का विश्लेषण करने की योग्यता। तार्किक रूप सेसाहित्य के अनुशीलन की योग्यता। समीक्षा के नए बिंदुओं के अन्वेषण की योग्यता। **अनुसंधान कौशल** समस्याओं को खोजने की योग्यता।शोध परिकल्पना और प्रश्नांकनकीयोग्यता ताकि जिज्ञासाओं का विभिन्न उत्तरों के माध्यम से शमन किया जा सके। शोध-पत्रहेतु योजना बनाना और शोध-पत्र लिखने की योग्यता। **वैचारिक स्पष्टता** अध्ययन के उपरांत साहित्यके संबंध में वैचारिक दृष्टि का विकास। दूसरे विचारों का साहित्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन। स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की वैचारिकीसे परिचय।
PSO3	**समूह कार्य और समय प्रबंधन** कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में सकारात्मक रूप से प्रतिभाग करने की

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

	योग्यता।समूहकार्य में योगदान करने कीरुचि।
PSO4	**नैतिक और सामाजिक मूल्य** सामाजिक मूल्यों को स्पष्ट रूप से समझने के कौशल का विकास। नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता और उनके प्रचार-प्रसार के लिए रुचि उत्पन्न होने की संभावना का विकास। साहित्य के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समस्याओं/संदर्भों जैसे - पर्यावरण, धर्म, राजनीति, समाज आदि को जानने-समझने की जिज्ञासा का विकास। **बहुसांस्कृतिकता** विभिन्न भाषाओं (भारतीय एवं विदेशी) के साहित्य के अध्ययन के द्वारा सांस्कृतिक बहुलता को जानने के प्रति रुचि। विभिन्न विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता का विकास। बहुसांस्कृतिकता को आत्मसात करने की योग्यता।
PSO5	**संवाद और भाषिक कौशल** **रसास्वादन क्षमता**
PSO6	**डिजिटल साक्षरता** सूचना एवं तकनीकी कौशल से परिचय। तकनीकी उपकरणों का विधिवत उपयोग करने की योग्यता का विकास।

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	V CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	**Paper- DSE – I : Post Independence Hindi Literature**
COURSE CODE	:	RJDSEHIN351
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी संस्मरण और रेखाचित्र व उसके कथ्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक, संस्मरण और रेखाचित्र में भूमंडलीकरण के विविध रूपों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3	हिन्दी साहित्य में रेखाचित्र और संस्मरण के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
4	आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।
5	स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाजमें भूमंडलीकरण से उपजे विविध समस्याओं के विषय में जानकारी प्राप्त कराना।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	अंधायुग नाटक के माध्यम से तात्कालीन परिवेश और समस्याओं का परिचय तथा उससे वर्तमान प्रासंगिकता को रेखांकित किया जायेगा.	1,2,5	BT Level I, II remember, understand
CO2	विद्यार्थी नाट्य शिल्प से अवगत होंगे.	2,5	BT level II and III Understand, apply
CO3	अभिनय तथा संवाद कौशल से परिचित होंगे.	3,5	BT level II and III Understand, apply
CO4	संस्मरण और रेखाचित्र विधा का परिचय. संस्मरण और रेखाचित्र के माध्यम से अनुकरणीय व्यक्तित्व व साहित्यकारों का परिचय दिया जाएगा.	2,4,5	BT Level I, II remember, understand
CO4	विद्यार्थियों को संस्मरण और रेखाचित्र विधा के माध्यम से तात्कालीन समाज की जानकारी दी जाएगी.	1,5	BT Level I, II& III remember, understand& apply
CO5	संस्मरण, रेखाचित्र तथा नाटकों के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जागरूकता का निर्माण होगा .	1,2,4	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse draw connections among ideas
CO6	भाषिक कौशल का विकास होगा.	5	BT Level I, II& III remember, understand& apply
CO7	विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता का विकसित होगी. शोधात्मक दृष्टि का विकास होगा. रसास्वादन क्षमता विकास होगा.	2,5	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse draw connections among ideas

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER V (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper- DSE - I : Post Independence Hindi Literature (स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य)	**Paper Code:** RJDSEHIN351	60	4
List of Text Book 1. महाबली नाटक - असगर वजाहत 2. गद्य प्रभा -निर्धारित आठ रचनाएँ, सम्पादक - डॉ. नवल किशोर, पंचशील प्रकाशन, जयपुर - ३०२००३			
इकाई - 1		15	
स्पष्टीकरण व चर्चा महाबली नाटक की पृष्ठभूमि, पाठवाचन एवं स्पष्टीकरण			
इकाई - 2		15	
स्पष्टीकरण व चर्चा - महाबली नाटक में संवाद योजना, भाषा व शैली तथा संवाद में नए प्रयोग			
इकाई - 3		15	
स्पष्टीकरण व चर्चा 1) पर्यावरण और सनातन दृष्टि - छगन मेहता 2) व्यापार वसति लक्ष्मी: - बाबू गुलाबराय 3) रामा - महादेवी वर्मा 4) इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई			
इकाई - 4		15	
स्पष्टीकरण व चर्चा 1) आखिरी चट्टान - मोहन राकेश 2) खितीन बाबू - अज्ञेय 3) सूखे चेहरों का भूगोल - मणि मधुकर 4) स्वामी विवेकानंद - प्रेमचंद			

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	VI CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	**Paper- DSE – I : Post Independence Hindi Literature**
COURSE CODE	:	RJDSEHIN361
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीत और निबंध से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2	स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीत और निबंध में भूमंडलीकरण के विविध रूपों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3	हिन्दी साहित्य में गीत और निबंध के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
4	आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।
5	स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज में भूमंडलीकरण से उपजे विविध समस्याओं के विषय में जानकारी प्राप्त कराना।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	गीत और निबंध विधा का परिचय. गीत और निबंध के माध्यम से अनुकरणीय व्यक्तित्व व साहित्यकारों का परिचय दिया जाएगा.	1,2,5	BT Level I, II remember, understand
CO2	गीत और निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य, हिंदी लेखकों और कवियों के मूलभूत परिचय से अवगत कराया जायेगा.	2,4,5	BT Level I, II remember, understand
CO3	विद्यार्थियों को गीत और निबंध के माध्यम से तात्कालीन समाज की जानकारी दी जाएगी.	1,5	BT Level I, II& III remember, understand& apply
CO4	गीत और निबंध के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जागरूकता का निर्माण होगा .	1,2,4	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse draw connections among ideas
CO5	भाषिक कौशल का विकास होगा.	5	BT Level I, II& III remember, understand& apply
CO6	विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता का विकसित होगी. शोधात्मक दृष्टि का विकास होगा. रसास्वादन क्षमताविकास होगा.	2,5	BT level II, III, IV Understand, apply, Analyse draw connections among ideas

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER VI (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper – DSE - I : Post Independence Hindi Literature (स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य)	**Paper Code:** RJDSEHIN361	60	4
List of Text Book **1. लोकप्रियता के शिखर गीत** - संपादक - डॉ. विष्णु सक्सेना, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जगतपुरी, दिल्ली - ११००५१ 2. **प्रतिनिधि ललित निबंध** - संपादक - प्रो. दत्तात्रय मुरुमकर, परिदृश्य प्रकाशन, मरीन लाइन्स, मुंबई - ४०००२			
इकाई - 1		15	
व्याख्या व चर्चा १. गीत - परिभाषा, तत्व, स्वातंत्र्योत्तर गीतिकाव्य का विकास २. कैलाश गौतम - रामधनी की दुलहिन ३. गोपालदास 'नीरज'- मैं पीड़ा का राजकुँवर हूँ ४. गोपाल सिंह नेपाली - दीपक जलता रहा रात भर ५. ज्ञानवती सक्सेना - कौन मुझको छाँह देगा			
इकाई - 2		15	
व्याख्या व चर्चा १. कुँवर बेचैन - उतनी दूर पिया तुम मेरे गाँव से २. बालस्वरूप राही - जलाए तो नहीं बैठी ३. बुद्धिनाथ मिश्र - जाल फेंक रे मछेरे ४. रामावतार त्यागी - जिन्दगी और बता तेरा इरादा क्या है			

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

	इकाई - 3	15	
	स्पष्टीकरण व चर्चा १. हजारी प्रसाद द्विवेदी - आम फिर बौरा गए २. विद्यानिवास मिश्र - धनवा पियर भइलें मनवा पियर भइलें ३. कुबेरनाथ राय - झरते क्षणों का पर्ण-मुकुट		
	इकाई - 4	15	
	स्पष्टीकरण व चर्चा १. हजारी प्रसाद द्विवेदी - नाखून क्यों बढ़ते हैं? २. विद्यानिवास मिश्र - होरहा ३. कुबेरनाथ राय - उत्तरकुरु		

T.Y.B.A. Hindi DSE – I Syllabus Semester V & VI

संदर्भ ग्रंथ सूची

सेमेस्टर -V & VI

प्रश्नपत्र - DSE - I

1- 21वीं शती का हिन्दी उपन्यास -(आलोचना) - डॉ. पुष्पपाल सिंह-पहला संस्करण -2015 - राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

2- भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास- डॉ. पुष्पपाल सिंह-पहला संस्करण -2015 -राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

3- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी - संस्करण - 2005-राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

4- नयी नाट्योन्मुखी भूमिका- डॉ. हुकुमचंदराज पाल, वाणी प्रकाशन

5- भरत और भारतीय नाट्यकला- सुरेन्द्रनाथ दीक्षित, १९७०, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

6- हिंदी नाटक - बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन

7- हिंदी गीतिनाट्य - कृष्णसिंहल, १९६४, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

8- हिंदी नाटक पाश्चात्य प्रभाव- डॉ. विश्वनाथमिश्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

9- हिंदी नाटक - डॉ. नगेंद्र, साहित्यरत्नभण्डार, आगरा

10- आधुनिक हिंदीसाहित्य - डॉ. लक्ष्मीसागरवार्ष्णेय, हिंदीपरिषद, इलाहाबाद

11- हिंदी नाटक: उद्भव विकास - डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एन्ड सन्स, दिल्ली